राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–174/2024

भारतीय एकात्मकता के प्रतीक श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र एवं दर्शन सम्पूर्ण भारत में व्याप्त है –राज्यपाल

पटना, 27 अगस्त, 2024 :– ''श्रीकृष्ण भारतवर्ष की पहचान हैं। वे हमारे रग–रग में, रोम–रोम में व्याप्त हैं। उनका जीवन–चरित्र और दर्शन भारत के कण–कण में व्याप्त है, जो हमारे लिए परम अनुकरणीय है।''– उक्त उद्‌गार, माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज शाम गाँधी मैदान, पटना में श्री रामलीला महोत्सव एवं रावण वध समारोह समिति द्वारा आयोजित 'श्रीकृष्ण महोत्सव' का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि श्रीकृष्ण भारत की एकात्मकता के प्रतीक हैं। यही कारण है कि पूरे भारतवर्ष में उनकी हर जगह पूजा होती है। श्रीकृष्ण ने हमें शस्त्र और शास्त्र दोनों की शिक्षा दी है। उनके होठों पर अगर बाँसुरी विराजमान है तो वे चक्र सुदर्शनधारी भी हैं। श्रीकृष्ण ने हमें भक्ति और आस्था का तो संदेश दिया ही, साथ ही, अपने ऊपर किसी दुर्जन का वार होने पर प्रतिवार करने की भी हमें सीख दी है। श्रीकृष्ण ने हमें आश्वस्त किया है कि भारत में जब भी अत्याचार, असत्य और अनाचार बढ़ेगा, उनके द्वारा यथासमय हमारी रक्षा होगी।

राज्यपाल ने कहा कि श्री रामलीला महोत्सव एवं रावण वध समारोह समिति समिति द्वारा पटना के गाँधी मैदान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्त्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री नंद किशोर यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल, आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में सहकारिता तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री राम कृपाल यादव, विधायक श्री संजीव कुमार चौरसिया, पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू, उप महापौर श्रीमती रेशमी कुमारी, पूर्व सांसद श्रीमती मीना सिंह, श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट, पटना के प्रेसीडेंट श्री अरूण कुमार, चेयरमैन श्री कमल नोपानी, संयोजक श्री मुकेश नंदन, श्री कृष्ण महोत्सव के संयोजक श्री मनीष सिन्हा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आगंतुक अतिथियों को श्री रामलीला महोत्सव एवं रावण वध समारोह समिति के वरीय पदाधिकारियों द्वारा अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिह्न भी सादर भेंट किया गया।

.....